

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि कोकाकोला की जांच से पता चला है कि उसमें इस तरह के तत्व हैं जो स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हैं, तो क्या गोल्ड स्पॉट की भी इस तरह की जांच हुई है? यदि हां, तो उसमें क्या तत्व पाये गये हैं?

अध्यक्ष महोदय : कुछ होता तो उसे निकालते। बोटल खाली है।

रेलवे में चोरी, डकैती की घटनाएं रोकने के उपाय

\*937. श्री पी० नरसिम्हा रेड्डी :  
श्री रामाचतार शास्त्री :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत वर्ष रेलवे बजट पर वाद-विवाद के दौरान कुछ संसद् सदस्यों ने सरकार को सुझाव दिया था कि रेलवे में चोरियों, डकैतियों तथा अन्य समाज-विरोधी गतिविधियों को समाप्त करने सम्बन्धी उपायों पर विचार करने के लिए रेलवे के सभी वर्गों की सक्रिय यूनियनों का सम्मेलन बुलाया जाये; और

(ख) क्या सरकार ने उपर्युक्त सुझाव पर विचार किया था और यदि हां, तो उस पर क्या निर्णय किया गया है?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) and (b). Suggestions made by Members of Parliament during the debate on the Railway Budget relating to improvement of railway working, including ways and means to put an end to thefts, dacoities and other anti-social activities, are examined promptly with due regard to the feasibility of implementation and availability of the resources. It is in this context that an announcement was made on 15.6.71 in the Lok Sabha during the debate on the current Railway Budget that the Minister for Railways proposes to set apart half a day in a week for meeting labour leaders for discussing various problems.

SHRI P. NARASIMHA REDDY : Has any action been taken in pursuance of this announcement to hold such meetings with the Labour leaders?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : We have already had two meetings with the Labour Leaders.

SHRI P. NARASIMHA REDDY : What other steps are proposed by the Ministry to reduce these anti-social activities in the railways in addition to meeting labour leaders?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI : The Railways have taken various steps. We are also in constant touch with the State Governments as the law and order situation is primarily the responsibility of the State Government. So far as the Railways are concerned, they are doing their part in consultation with the State Governments.

श्री भान सिंह भोरा : मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि यहाँ पर जो जाखल लाइन है इस लाइन पर लूट पाट ज्यादा होती है और यह अखबारों में आया है कि लूटने में पुलिस वालों का हाथ होता है। इसलिये मंत्री जी इस बारे में कोई कदम उठावेंगे जिससे आगे ऐसी बातें न हों?

अध्यक्ष महोदय : यह एक आम सवाल है। इसको उन्होंने नोट कर लिया है।

That is a suggestion; not a question. He has noted it.

श्री हुकम चन्द कच्छबाय : जो रेलवे के अन्दर चोरी होती है, यात्रियों का सामान चोरी जाता है और गोदाम से सामान चोरी जाता है, तो जहाँ पैसेन्जर्स चलते हैं उनके साथ गाड़ियों में पुलिस के जवान देने की कोई योजना आपके सामने है? और यदि नहीं है, तो इस बारे में विचार कर रहे हैं ताकि उनके साथ पुलिस चले और गोदाम में भी और ज्यादा पुलिस तैनात करेंगे जिससे चोरी को रोका जा सके? आपने बताया कि हमने कुछ यूनियन के लोगों से बातचीत की है, तो कौन-कौन सी यूनियन से बातचीत

की है, और इस बातचीत में क्या भारतीय मजदूर संघ की यूनियन से भी कोई चर्चा की है ?

**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :** रिकग्नाइज्ड यूनियन्स के नुमाइन्दों से बातचीत की है लेकिन जो यूनियन्स रिकग्नाइज्ड नहीं हैं उनके नुमाइन्दों से भी बातचीत करने के लिये तैयार हैं और उनसे सलाह मन्विबरा करने के लिये तैयार हैं ।

जहां तक माल गाड़ियों की हिफाजत का प्रश्न है वहां पर पैट्रोलिंग ज्यादा कर दी गयी है और जिस एरिया में चोरी ज्यादा होती है वहां पर पैट्रोलिंग और ज्यादा बढ़ा दी गयी है, पुलिस की तादाद भी बढ़ा दी गयी है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** सवारी गाड़ियों में जो यात्रियों को लूटा जाता है उन सवारी गाड़ियों के अन्दर कुछ पुलिस के जवान रखने को मंत्री की तैयार हैं ?

**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :** जहा पर ये बाक्यात होते हैं वहां पर रात की गाड़ियों में पैट्रोलिंग शुरू कर दी गयी है और दिन के वक्त भी पुलिस का इंतजाम किया गया है ।

**SHRI D. N. TIWARY :** The Minister stated that he has taken several steps in consultation with State Governments and has called the meeting of the various trade unions also. With all these steps what improvements have been brought about ? I want to know whether the thefts have been stopped or are on the way of being stopped.

**SHRI MOHD. SHAFI QURESHI :** There has been a slight improvement. But, as the Hon. Member knows, the situation in the Eastern sector is far from satisfactory. The Government is endeavouring to take every step to see that normal law and order situation is brought about in that area. That would also effect the improvement in the functioning of the Railways. In other sectors there has been slight improvement, but I agree that much need to be done.

**श्री अक्षय बयाल सिंह :** मैं मंत्री महोदय से आज्ञा चाहता हूँ कि यह जो चोरी, डकैती इतनी

बड़ी संख्या में हो रही है उसमें क्या किसी पोलिटिकल गिरोह या पोलिटिकल पार्टी का भी हाथ है ?

**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी :** इस सवाल का जवाब देना मुश्किल है । किसी सियासी जमात का इसमें हाथ नहीं है ।

**श्री शंकर बयाल सिंह :** अखबारों में रिपोर्ट आती है कि नक्सलाइट लोगों का हाथ है तो इस बारे में भी कोई सूचना आपके पास है ?

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर प्लीज ।

#### Employees' participation in the management of Railways

\*938. SHRI N. E. HORO : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government have considered a proposal regarding participation of employees in the management of Railways ; and

(b) if so, the decision taken thereon ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) and (b). The Railway labour are already participating in certain spheres of Railway management activities. The question of extension of these areas is reviewed from time to time and further steps in this connection would be taken as and when considered feasible.

**SHRI N. E. HORO :** The hon. Minister well nigh said that it was not feasible to allow participation of railway labour in the Administration. Even though, I would like to know the areas where they are allowed participation, and the areas where Government have not found it feasible to allow them ? Secondly, will the hon. Minister go a step further and say very boldly that Government would allow labour full participation in the management of railways ?

**SHRI MOHD. SHAFI QURESHI :** The Railway Board appointed a special officer in 1959 to go into this aspect of the matter about